अतिचालकता 11

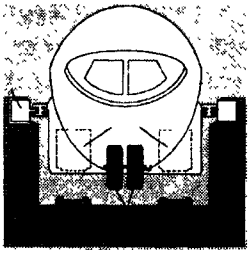

पदार्थों के अतिचालक गुण की खोज ने कई नई संभावनाएं खोल दी हैं – जैसे कि तीव्र गति से चलने वाली ट्रेन, अतिशक्तिशाली चुंबकों का विकास आदि। इसी गुण के आधार पर अमेरिका में एक परिपथ बनाया गया है जिसमें करंट बिना किसी नुकसान के लगातार बहता रहता है। अतिचालकता यानी कि जब पदार्थ का प्रतिरोधी गुण बिल्कुल समाप्त हो जाता है। अतिचालकता और इससे जुड़ी संभावनाओं का विश्लेषण।

परागकण का सफर. 25

परिपक्व परागकोष के फटने से असंख्य परागकण हवा, पानी, कीट, पशुपक्षियों द्वारा फूल के वर्तिकाग्र पर पहुंचते हैं। एक नए पौधे के निर्माण के लिए यह पहला ज़रूरी कदम होता है। लेकिन कोई एक परागकण ही अंडाशय तक पहुंचने में सफल होता है। परागकण के वर्तिकाग्र से अंडाशय तक के सफर के बारे में विस्तृत जानकारी।

नील्स बोहर, एक मानवतावादी चेहरा. 51

नाभिकीय ऊर्जा के रहस्यों को जानने के साथ-साथ बोहर इस खोज के सामाजिक व राजनीतिक परिणामों को लेकर परेशान थे। यकीनी तौर पर बोहर में वह दूरदृष्टि थी जिसका तत्कालीन राजनितिज्ञों में अभाव था। प्रसिद्ध वैज्ञानिक नील्स बोहर के जीवन के कुछ पहलू।

इस अंक में

आपने लिखा. . . .	2	फूलों से मज़ेदार प्रयोग. . . .	60
माइक्रो बायोलॉजी में बर्ड. . . .	5	गुरुनानक का दोहा, औरंगज़ेब. . . .	63
अतिचालकता. . . .	11	सवालीराम. . . .	67
परागकण का सफर. . . .	25	किताबें करती हैं बातें. . . .	74
नौसादर, पानी और. . . .	35	तरीकों की खोज, इतिहास. . . .	79
वह जादुई स्कूल. . . .	41	ज़रा सिर तो खुजलाइए. . . .	90
नील्स बोहर, एक मानवतावादी.	51	खेती करती चींटियां. . . .	92